सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-1 • 10 APRIL TO 16 APRIL 2020 • VOLUME-31 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD

No Filing Charges &
*Pay money after the visa

IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

*T&C apply

अब देखना होगा क्या प्रशासन लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी को करेगा सील

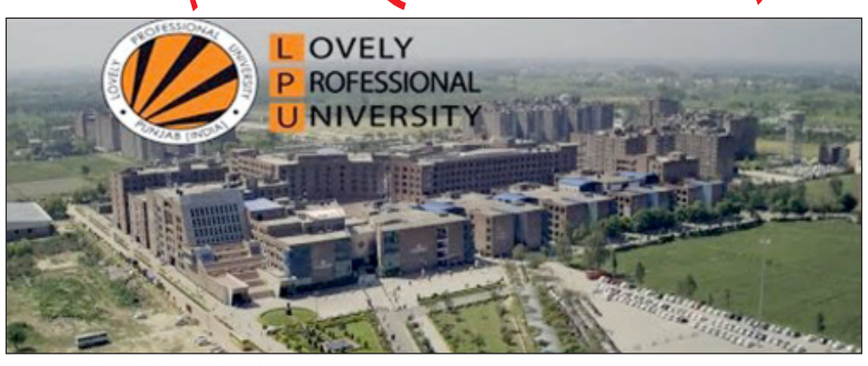

क्या प्रशासन लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी को भी आइसोलेशन वार्ड में कर सकता है तबदील?

जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

देश की प्रमुख यूनिवर्सिटी में से एक लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जहाँ पर हाल ही में कोरोना बिमारी ने दस्तक दी है जिसकी पुष्टी हॉस्टल में रह रहे एक छात्रा की पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन द्वारा की गयी है। यह एक बहुत चिंताजनक और गंभीर संकेत है जिसको की प्रशासन को इसके साथ लगते गाँव चहेरु व महेरु में रह रहे प्राइवेट गेस्ट हाउस में देश विदेश से आए छात्राओं का भी स्क्रीनिंग करना अनिवार्य हो गया है। ताकि उस एरिया को बचाया जा सके और इस इलाके में सारे गेस्ट हाउस को फायर ब्रिगेड की मदद से स्वच्छ किया जाये ताकि दिल्ली निज़ामउदीन जैसे हालत यहाँ न हो।

पंजाब के डेरा बस्सी में बढ़ रहे केसों को देखते हुए वहां के जिलाधीश द्वारा चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के साथ संपर्क साधा गया और भविष्य में कोरोना महामारी का प्रकोप अगर बढ़ता है तो इसकी रोकथाम के लिए यूनिवर्सिटी के 1000 बैड वाले होस्टल को आइसोलेशन वार्ड बनाने के लिए गठजोड़ किया है और इसी कड़ी में अब देखना होगा कि जिस प्रकार से हाल ही में फगवाड़ा शहर जिला कपूरथला के आधीन आती लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में कोरोना मरीज की प्रशासन द्वारा पुष्टि की गयी और संपर्क में आये व्यकतियों के सैम्पल भी प्रशासन द्वारा भेजे गए है अगर इस

यूनिवर्सिटी की भूगौलिक रूप को देखा जाए तो यह अमृतसर-दिल्ली हाईवे पर दोआबा क्षेत्र के कपूरथला के आधीन आती है जो की आसपास के शहर जालंधर, होशियरपुर ,फगवाड़ा ,नकोदर, लुधियाना का सफर इस यूनिवर्सिटी से 25-30 किलोमीटर का ही है तो क्या प्रशासन इस भयानक बिमारी की रोकधाम के लिए चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की तर्ज पर दोआबा क्षेत्र में बड रहे कोरोना के मामलो को देखते हुए इनके साथ भी गठजोड़ करेगा ।

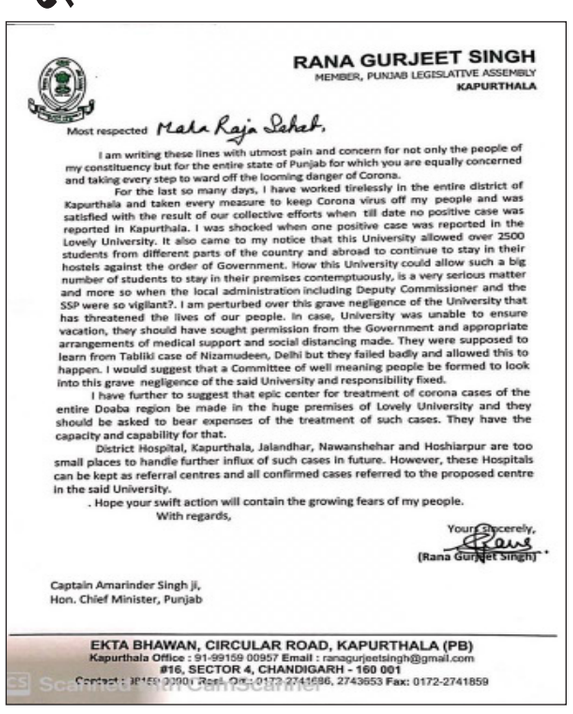

विधायक राणा गुरजीत ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के प्रबंधन के ऊपर किया तीखा प्रहार

RANA GURJEET SINGH
MEMBER, PUNJAB LEGISLATIVE ASSEMBLY
KAPURTHALA

Most respected Maha Raja Sahab,

I am writing these lines with utmost pain and concern for not only the people of my constituency but for the entire state of Punjab for which you are equally concerned and taking every step to ward off the looming danger of Corona.

For the last so many days, I have worked tirelessly in the entire district of Kapurthala and taken every measure to keep Corona virus off my people and was satisfied with the result of our collective efforts when till date no positive case was reported in Kapurthala. I was shocked when one positive case was reported in the Lovely University. It also came to my notice that this University allowed over 2500 students from different parts of the country and abroad to continue to stay in their hostels against the order of Government. How this University could allow such a big number of students to stay in their premises contemptuously, is a very serious matter and more so when the local administration including Deputy Commissioner and the SSP were so vigilant?. I am perturbed over this grave negligence of the University that has threatened the lives of our people. In case, University was unable to ensure vacation, they should have sought permission from the Government and appropriate arrangements of medical support and social distancing made. They were supposed to learn from Tabliki case of Nizamudeen, Delhi but they failed badly and allowed this to happen. I would suggest that a Committee of well meaning people be formed to look into this grave negligence of the said University and responsibility fixed.

I have further to suggest that epic center for treatment of corona cases of the entire Doaba region be made in the huge premises of Lovely University and they should be asked to bear expenses of the treatment of such cases. They have the capacity and capability for that.

District Hospital, Kapurthala, Jalandhar, Nawanshehar and Hoshiarpur are too small places to handle further influx of such cases in future. However, these Hospitals can be kept as referral centres and all confirmed cases referred to the proposed centre in the said University.

. Hope your swift action will contain the growing fears of my people.

With regards,

Yours sincerely,
(Rana Gurjeet Singh)

Captain Amarinder Singh ji,
Hon. Chief Minister, Punjab

EKTA BHAWAN, CIRCULAR ROAD, KAPURTHALA (PB)
Kapurthala Office : 91-99159 00957 Email : ranagurjeetsingh@gmail.com
#16, SECTOR 4, CHANDIGARH - 160 001
Contact : [illegible] Fax: 0172-2741859

Scanned with CamScanner

प्रशासन लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर कार्यवाही करने से क्यों कतरा रहा है ?

जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

पंजाब के दोआबा के शहर फगवाड़ा में स्थित लवली यूनिवर्सिटी जिसमें हाल ही के दिनों में कोरोना ने दस्तक दी है और उस मरीज़ को कपूरथला के सिविल हॉस्पिटल में दाखिल करवाया गया है जिस पर वहां के तेज तरार पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक राणा गुरजीत सिंह ने मुख्य मंत्री पंजाब को पत्र लिख कर मांग की है की लवली यूनिवर्सिटी प्रबंधन के ऊपर कार्यवाही की जाये क्यूंकि इन्होंने ने बड़ी संख्या में यूनिवर्सिटी में विधार्थियों को अपने पास ठहरा कर प्रशासन से जानकारी छुपाई जिस पर उन्होने मीडिया को भी शर्म सार किया की किसी ने भी उनकी चिठ्ठी पर खबर नहीं लगाई और इसे मुद्दे

पर जालंधर दौरे के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला द्वारा भी मीडिया के समक्ष बयान दिया की वो इस बात से आहात हैं की ऐसे गंभीर मुद्दे को प्रशासन इतने हलके में कैसे ले सकता है और उन्होंने इस बात की जानकारी दी की उन्होंने मुख्य मंत्री पंजाब और प्रधान मंत्री को ट्वीट करके प्रबंधन पर कार्यवाही करने की मांग की है परन्तु प्रशासन इस पर क्यों नहीं कार्यवाही कर रहा यह प्रशासन बेहतर बता सकता है।? परन्तु यह देखने को मिल रहा है प्रशासन का एक उच्च अधिकारी ट्वीट करके यह जरूर बता देता है की वहां पर सब कुछ ठीक है और अफवाहों से बचने का प्रयास करे। हैरानी की बात है इस मुद्दे पर मीडिया इंडस्ट्री में अपने आपको धुरंदर कहने वाले भी जिनको की सरकार ने सरकारी सुख सुविधाओं से लिप्त किया हुआ है ताकि उनकी सुरक्षा पर कोई आंच न आये वो भी यूनिवर्सिटी के प्रबंधन के आगे बोने साबित हो गए है परन्तु जालंधर ब्रीज पहले भी सच को लिखता रहा है और भविष्य में भी लिखने के लिए वचनबद्ध है

धन्यवाद पर ट्रंप से बोले मोदी, हम मिलकर जीतेंगे

» नई दिल्ली/ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'आभार' के जवाब में बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 से निपटने में भारत मानव जाति की हरसंभव मदद करेगा ।उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दिये संदेश में यह बात कही जिन्होंने मलेरिया रोधी हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन दवा के निर्यात की अनुमति देने के फैसले के लिए भारत का शुक्रिया अदा किया है ।हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन को कोरोना वायरस संक्रमण के संभावित उपचार के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है ।मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप के एक ट्वीट के जवाब में कहा, ''हम मिलकर जीतेंगे।''उन्होंने ट्वीट किया, ''राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आपके साथ पूरी तरह सहमत हूं। इस तरह का वक्त दोस्तों को और करीब लाता है।''उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका की साझेदारी पहले से भी मजबूत है ।मोदी ने लिखा, ''भारत कोविड-19 से मुकाबले के लिए मानवता की हरसंभव मदद करेगा।''

इससे पहले ट्रंप ने ट्वीट करके हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन निर्यात पर लिये गये फैसले के लिए भारत और भारतीय जनता का आभार व्यक्त किया था और कहा था कि इसे भुलाया नहीं जाएगा। ट्रंप ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आपका इस लड़ाई में न केवल भारत , बल्कि पूरी मानवता की मदद करने में मजबूत नेतृत्व प्रदान करने के लिए शुक्रिया।''राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले सप्ताह फोन पर बात की थी। ट्रंप ने इस बातचीत में मोदी से हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन के अमेरिका के ऑर्डर के निर्यात पर लगी रोक हटाने का अनुरोध किया था ।भारत इस दवा का बड़ा उत्पादक है।

कश्मीर की मस्जिदों में शब-ए-बारात पर नमाज़ नहीं हुई

श्रीनगर, कश्मीर की किसी भी प्रमुख मस्जिद में शब-ए-बारात पर रात में नमाज़ नहीं हुई। लोग कोरोना वायरस के मद्देनजर लागू लॉकडाउन (बंद) की वजह से घर में ही रहे है ।अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि प्रशासन और मज़हबी संगठनों ने लोगों से जमात (सामूहिक) नमाज़ नहीं पढ़ने, बल्कि घर में ही इबादत करने की अपील की थी ।श्रीनगर के जिलाधिकारी शाहिद इकबाल चौधरी ने शहर में शब-ए-बारात के मौके पर धार्मिक रूप से जमा होने और लोगों की आवाजाही पर रोक लगाने के आदेश जारी किए थे ।सीआरपीसी की धारा 144 के तहत जारी आदेश में कहा गया है कि संबंधित अधिकारियों की सिफारिश, क्षेत्र से मिली रिपोर्ट और कोविड-19 की वजह से उपजे स्वास्थ्य संकट को देखते हुए इस मौके पर धार्मिक रूप से जमा होने पर रोक लगाने का फैसला किया गया ।जम्मू-कश्मीर के मुफ्ती-ए-आज़म निसार-उल-इस्लाम ने भी लोगों से शब-ए-बारात पर सामूहिक नमाज़ नहीं पढ़ने की गुजारिश की थी।

फरिश्ते जमीन पर 15 दिन से घर नहीं लौटी नर्स और तीन साल की बेटी से मिले बिना कर रही है ड्यूटी

मां को याद करती हुई बच्ची का वीडियो हुआ वायरल

» बेंगलोर/ब्यूरो

कर्नाटक में वायरल एक वीडियो ने सभी को भाव विभोर कर दिया है जिसमें अपनी मां से मिलने के लिए बेकरार एक छोटी-सी बच्ची दूर से अपनी मां को देख कर रोती दिखाई दे रही है। उसकी मां नर्स है और कोविड-19 के लिए अपनी ड्यूटी के चलते एक पखवाड़े से घर नहीं लौटी है ।इस वीडियो के वायरल होने पर मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने पराचिकित्सा कर्मी से बुधवार को बात की और उसके समर्पण की प्रशंसा की ।सुगंधा उत्तर कर्नाटक में बेलागवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के कोविड-19 वार्ड में पिछले 15 दिनों से बिना घर गए और तीन साल की अपनी बेटी से मिले बिना लगातार काम कर रही है।

मां और बच्ची के बीच की दूरी ने लोगों का दिल छू लिया

अपने पिता के साथ दुपहिये वाहन पर बैठ कर अपनी मां से मिलने बच्ची अस्पताल के पास पहुंची। वीडियो में वह अस्पताल के प्रवेश द्वार से कुछ दूरी पर खड़ी अपनी मां की ओर हाथ हिलाते तथा रोती दिख रही है। मां भी भावुक दिख रही है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है ।नर्स के समर्पण और मां तथा बच्चे के बीच दूरी ने लोगों का दिल छू लिया।

इसके चलते येदियुरप्पा ने सुगंधा से फोन पर बात की ।येदियुरप्पा को सुगंधा से फोन पर कहते हुए सुना गया, ''आप अपनी बच्ची को देखे बिना कड़ी मेहनत कर रही हैं। मैंने इसे टीवी पर देखा। कृपया सहयोग करें। आपको भविष्य में बेहतर अवसर मिलेंगे। मैं आपके लिए देखूंगा। ईश्वर आपका भला करे।'' इस बातचीत की रिकॉर्डिंग यहां मीडिया को जारी की गई। बाद में नर्स को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने कोविड-19 को रोकने के लिए उसकी तरह काम कर रहे डॉक्टरों, नर्सों, एएचएसए (स्वास्थ्य) कर्मियों, पुलिस, निकाय कर्मचारियों, सरकारी कर्मचारियों की निस्वार्थ सेवा की तारीफ की। एक विज्ञप्ति के अनुसार, टेलीफोन पर बातचीत के दौरान नर्स द्वारा उठाए गए स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की चिंताओं पर विचार करने का आश्वासन देते हुए येदियुरप्पा ने पत्र में कहा कि उन्हें हल करना सरकार की प्राथमिकता है और कोविड-19 स्थिति के एक बार नियंत्रण में आने के बाद वह खुद इन पर गौर करेंगे।

रामायण के सुग्रीव श्याम कलानी का निधन

मुंबई (एजेंसी)। 'रामायण' में सुग्रीव का किरदार निभाने वाले श्याम सुंदर कलानी का निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि श्याम सुंदर कलानी काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। श्याम सुंदर कलानी के एक्टिंग करियर की शुरुआत रामायण से ही हुई थी। उनके निधन पर राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल और लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुनील लहरी ने शोक जताते हुए ट्वीट किया है।

अरुण गोविल ने ट्विटर पर श्याम सुंदर के निधन पर शोक जताया और लिखा,'मिस्टर श्याम सुंदर के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं।

उन्होंने रामानंद सागर की रामायण में सुग्रीव का किरदार निभाया था।

Stay Home Stay Safe

दखल

संकट में पुलिस का लाजवाब जज्बा

मध्यप्रदेश पुलिस का ध्येय वाक्य देशभक्ति जनसेवा वर्तमान वायरस जनित संकटकाल में भारतीय पुलिस की वैश्विक पहचान बनकर उभरा है। देशभक्ति का तत्व इसे अन्य प्रांतीय पुलिस से अलग और आगे करता है। पुलिस सेवा के सत्यमेव जयते के सहचर्य में देशभक्ति के इस प्रण की शोभा और बढ़ जाती है। पुलिस ने इस संकट काल में तमाम धारणाओं को भी तोड़ा है।

मध्यप्रदेश पुलिस का ध्येय वाक्य देशभक्ति जनसेवा वर्तमान वायरस जनित संकटकाल में भारतीय पुलिस की वैश्विक पहचान बनकर उभरा है। देशभक्ति का तत्व इसे अन्य प्रांतीय पुलिस से अलग और आगे करता है। पुलिस सेवा के सत्यमेव जयते के सहचर्य में देशभक्ति के इस प्रण की शोभा और बढ़ जाती है। इस आपदा काल में देशभक्ति और जनसेवा की मिसाल कायम करती पुलिस भारत में हर कहीं देखी जा सकती है। निजी आचार, व्यवहार, आस्था, परिवार आदि सबको दरकिनार कर हर पुलिस कर्मी अनवरत जन सेवा में जुटा है। पुलिस को आवश्यक बुराई बताने वाले भी आज देख रहे हैं कि अपरिहार्य अच्छाई क्या होती है। यह बिरला ही क्षण है जब राज्य का कल्याणकारी स्वरूप पुलिस के जरिये प्रक्षेपित हो रहा है। कॉलोनियल, इथिकल और मोरल शब्दों को नकारात्मक ढंग से पुलिस के साथ जोड़ने वाले आज आपत्काल में आपद्धर्म निभाती पुलिस को देख निश्चित ही चकित होंगे। आज वे पुलिस पर स्वयं के प्रति लापरवाही से अधिक का आरोप नहीं लगा सकते।

अपराधों की रोकथाम और अन्वेषण जैसे आधारभूत कार्यों का निर्वहन करते हुए कानून व्यवस्था, विशिष्ट जन और जान माल की रक्षा के साथ साथ इस आपत्काल में पुलिस अपेक्षा से आगे जाकर अपनी भूमिका निर्वहित कर रही है। पुलिस के समक्ष चुनौतियां कम नहीं हैं। जोखिम का स्तर बहुत ही ज्यादा है। वह अनलॉक खड़ा है। वायरस का संक्रमण हवा में भी घंटों बना रहता है। बिना किसी स्पष्ट प्रोटोकॉल और रोज परिवर्तित होते मेडिकल बुलेटिन के बावजूद वह डटा हुआ है। उसके लिए एक मोर्चे पर महामारी की विभीषिका है तो दूसरे मोर्चे पर मानवता द्रोही कमिटेड जमाती। कहीं से दुत्कार है तो कहीं से प्रहार। इसी में उसे मूलभूत सुविधायें भी सुचारू करानी हैं और मुनाफाखोरों से भी निपटना है। दशों दिशाओं से हमें सुरक्षा देती, दृश्य-अदृश्य और अंतर्बाह्य शत्रुओं से लड़ती यह पुलिस निश्चित ही तकनीकी प्रचलन के डेकाकोर प्लस विशेषण की सही हकदार है। वायरस जनित इन हालातों में यह किसी एंटीवायरस से कम नहीं।

राष्ट्रव्यापी इस लॉक डाउन में जब पूरा राष्ट्र लॉकअप बन गया है तब बाहर केवल पुलिस राष्ट्र की मास्क बनी खड़ी है। उसके सेवाभाव में कोई कोई लॉक डाउन नहीं है क्योंकि अंदर कोई बंदी नहीं देश के बंदे हैं। हर मोर्चे पर डेकाकोर प्लस पुलिस जन गण मन को आश्वस्त करती हुई नई उम्मीदों और प्रतिमान के साथ अपनी नई भूमिका भी गढ़ रही है। लोगों तक भोजन रसद हो, दवाई या फिर अन्य सेवाएं हों, जनसुरक्षा की बात हो या संक्रमण के प्रति जनजागरूकता हो, बाहर से आये हुए श्रमिक मजदूरों को सुरक्षा, सम्मान और सुविधा से उनके घर तक पहुंचाना हो या रोगियों की चिकित्सा जांच करवाना हो, आपदा के कारण किसी मृत की अंत्येष्टि में अपनी और अन्यों की सुरक्षा करते हुए शांति कायम करना हो अथवा राष्ट्रद्रोही जमातियों को खोजना हो, नराधम जाहिलों को सबक सिखाना हो या क्वारंटीन से भागे किसी सिरफिरे को वापस लाना हो, देवदूत बने चिकित्सकों की सुरक्षा हो या बेवजह घूमते हुओं से सख्ती से निपटना हो, किसी लावारिस की सेवा सुश्रुषा हो या भूखे पशु पक्षियों के खाने का प्रबंध हो, अन्तर एजेंसी समन्वय हो या प्रशासन, स्वास्थ्य, खाद्यान, सफाई व बैंक आदि टीमों को साथ लेकर चलना हो यह सब और तमाम जोखिम भरे काम पुलिस आज बेहिचक कर रही है। वह अच्छे नेतृत्वकर्ता, समन्वयक, सुविधाप्रदाता, प्रशासक, संरक्षक, सचेतक, अनुशासक, मार्गदर्शक, सेवक, सहायक एवं अन्यान्य भूमिकाएं बखूबी निभा रही है।

सामान्य समय में की जाने वाली आलोचना, अपमान, तिरस्कार के विष को इस विषमकाल में कंठासीन कर जुटी हुई शिवरूप यह पुलिस समभाव से उन्हें भी पुचकार रही है जो दुत्कार रहे हैं। अमूमन आपातकाल में केंद्रीय बल या फिर सेना मोर्चा संभालती है पर इस आपातकाल में भारत भर में पुलिस ने सेवा और साहस से साबित कर दिया कि वह आंतरिक सुरक्षा के साथ साथ किसी भी अकल्पनीय विषम स्थिति से मितव्ययी और दक्ष ढंग से निपटने में विश्व की किसी भी एजेंसी से कहीं बेहतर है। संसाधन बहुल और प्रोफेशनलिज्म के लिए चर्चित पुलिस मेट/यार्ड, पोलिजिया डी स्टेटो, पीपुल्स आर्म्ड पुलिस, फेड्रेल पोलिजी, फेड्रेल पोलिटी, पुलिस म्यूनिसिपेल, हाईवे टूपर्स, पोलिसिया म्युनिसिपल जैसे संगठन और अन्य इंडेक्सबाजी के महारथी यूरोपीय राष्ट्र जब घुटने टेक चुके हैं तब यह भारत की ही पुलिस है जो मिसाल बनी हुई है। हमारा मोटो हमें प्रोफेशनलिज्म के तटस्थ दायरे से आगे जनसेवा के परोपकारी पक्ष तक ले जाता है। इन विषम हालातों में यही हमारी सफलता का कारण भी है।

हमारे इस सेवाभाव का विस्तार तन मन धन से बहुत आगे जीवन तक व्याप्त है। मध्यप्रदेश पुलिस के मुखिया ने इसमें एक अभिनव निर्णय लेते हुए प्रत्येक पुलिसकर्मी जहां है उसे वहीं से अपनी ड्यूटी करने की छूट देकर सेवा के इस संकल्प को और प्रभावी बना दिया। अब शत प्रतिशत पुलिस शत प्रतिशत कार्य कर रही है। यह इस सेवाभाव का ही उद्रेक था कि मैं स्वयं भी अवकाश के बीच से ही एक हजार किलोमीटर खुद वाहन चलाते हुए घर से अपने कर्तव्य स्थल पर लौटा। आज पूरा राष्ट्र 'स्वयं निरोध' में है। तब लॉकडाउन को सफल बनाने के क्रम में पुलिस ही है जो खुद खतरे के सामने अनलॉक खड़ी है। हम जानते हैं कि अकस्मात आई इस आपदा में हम अधिकांश पुलिस कर्मियों को सुरक्षा जैकेट या अन्य उपकरण इतनी जल्दी मुहैया नहीं करा सकते। उसके पास चिकित्सकीय या महंगे सुरक्षा कवच नहीं है, वह तो बस अपने सेवा और साहस के आवरण को ओढ़कर जनता और जोखिम के बीच दीवार बन खड़ी जन मन का मनोबल भी बनाये हुए है। मीडिया और आमजन की आलोचना की शिकार पुलिस कोरोना की विश्वव्यापी आपदा में आज बिना किसी अतिरिक्त आश्वासन, गारंटी या बीमाई प्रतिभूति के हर मोर्चे पर जन सुरक्षा में अथक, अपलक प्रस्तुत है।

संसाधनों की कमी का नकारात्मक प्रभाव उसकी सेवा पर दिखाई नहीं दे रहा। पुलिस का देशभक्ति जनसेवा का मोटो आज देश का जन जन अपने सर्वोत्तम स्तर पर चरितार्थ होते देख सकता है। मैं इस अनुपम संगठन का सदस्य होकर आज और भी गौरवान्वित हूं। लोक कल्याणकारी राज्य में हमेशा आलोचकों का शिकार बनती पुलिस इस परीक्षा की घड़ी में चैरिटी को अपने चरित्र में समाहित किए हर कहीं दिखाई देगी। आंखों में उम्मीद, कंधे पर जिम्मेदारी का भार, खाकी पर गर्द और पसीना, कानों में मदद को पुकारती आवाजें, लगातार बजता मोबाइल, मैसेज की निरंतर बीप, एक हाथ में रोटी और दवा तो दूसरे हाथ में लाठी लिए अडिग खड़ी पुलिस।

कबूतर को दाना डालता पुलिसकर्मी हो या सड़क पर पड़े किसी बेघर को आस बंधाता पुलिसकर्मी, तकनीकी सर्विलेंस के जरिए आतंक फैलाते तबलीगियों को तलाशती पुलिस हो या संक्रमण से मृत हुए को कंधा देती पुलिस, वह पशु पक्षी से लेकर इंसान सबकी अपेक्षाओं पर खरा खड़ा है। कार्यों की बहुलता, अनिश्चितता और आवृत्ति से पुलिस जिस कौशल से निपट रही है वह अभूतपूर्व है। बिना किसी प्रशिक्षण, प्रोटोकॉल, एसओपी या फिर कमांड के पुलिस शताधिक कार्यों को पूरी दक्षता से कर रही है।

विचार

भारत ने चुका दिया कर्ज

1951 में खाने की कमी के बाद अमेरिका द्वारा भेजी गई मदद का ऋण आज दवा के रूप में भारत ने चुका दिया है। अमेरिका इस अहसान को जब-तब गाता रहता था, पर उम्मीद है कि वह अब ऐसा नहीं करेगा और संबंधों की गहराई को भी समझेगा।

कोरोना के संकट ने जिस देश को सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह अमेरिका है। यह अमेरिका जो खुद को दुनिया की सबसे महाशक्ति बताता था। दुनियाभर के संगठनों पर अपनी दादागिरी चलाता था, मगर अब तस्वीर बदल चुकी है। अब खुद की ताकत पर इतराने वाला अमेरिका जमीन पर है। उसे दूसरे देशों के आगे हाथ फैलाने से भी गुरेज नहीं है। कोरोना की दवा हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन को लेकर अमेरिका की छटपटाहट जिस तरह की दिखी, उसे कोई भी अनजान नहीं है। दवा न देने पर भारत को धमकी और मिल जाने पर भारत की तारीफ में कसीदे पढ़ना ट्रंप का नया रूप है। हालांकि, यह अनायास भी नहीं है। अमेरिका में कोरोना का संकट ऐसे समय आया है, जब वहां कुछ माह बाद चुनाव होने वाले हैं। ट्रंप की लोकप्रियता पहले से ही गिरी है, अब कोरोना की लड़ाई में फेल होना उनके लिए मुश्किलें खड़ी करने वाला है। मगर यह समय भारत के लिए फायदे का सौदा बनकर आया है। दवा की सप्लाई कर भारत ने मुश्किल वक्त में अमेरिका पर मानवीयता का कर्ज लाद दिया है, वहीं अपना बरसों पुराना कर्ज भी उतार दिया है।

अगर थोड़ा पीछे जाएं तो पता चलेगा कि कभी अनाज की कमी से जूझ रहे भारत ने अमेरिका से मदद मांगी थी। 1951 में देश के प्रधानमंत्री नेहरू ने अनाज की कमी से जूझ रहे देश के लिए अमेरिका से मदद मांगी थी। 12 फरवरी 1951 को अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी एस ट्रूमैन ने भारत को अनाज की कमी से निपटने के लिए कांग्रेस में भारत को 20 लाख टन मदद की अनुशंसा की थी। हालांकि, तब अमेरिका द्वारा भारत को भेजे गए लाल गेंहू को लेकर आलोचना भी हुई थी, मगर भारत मरता क्या न करता वाली स्थिति में था और स्वीकार की। लेकिन बिना मतलब की इस मदद को अमेरिका तब से उपकार के रूप में देख रहा था और हर मौके पर जिक्र करता रहता था। अमेरिका प्रधानमंत्री नेहरू के गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत से चिढ़ता रहा था। इसके अलावा चीन को लेकर भारत की नीति, कोरियाई युद्ध, पश्चिम उपनिवेशवाद और अन्य मुद्दों पर भारत के रुख अमेरिका और नई दिल्ली के बीच रिश्तों को तल्ख बना रहे थे।

अब जो हो अमेरिका अभी तो जमीन पर है और इस समय का फायदा भारत को अपने हिसाब से उठाना चाहिए। भारत के धनकुबेर इलाज के लिए अमेरिका ही भागते हैं। वहीं भारत में स्वास्थ्य ढांचा पहले ही संक्रमण काल से गुजर रहा था। स्वास्थ्य में खर्च बेहद कम है। महानगरों की बात छोड़ दें तो छोटे शहरों और गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत किसी से छिपी नहीं है। बड़ी बीमारियों की छोड़िए, सीजलन बीमारियों पर भी काबू पाने में समय लगता है, मगर कोरोना के मामले में भारत न सिर्फ अमेरिका बल्कि उन देशों के सामने भी बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है, जिन्हें अपनी स्वास्थ्य प्रणाली पर नाज था। ब्रिटेन, जापान, फ्रांस, जर्मनी जैसे देशों की हालत क्या है, यह बताने की जरूरत नहीं। लिहाजा भारत को इस मौके का फायदा उठाना होगा।

अमानवीयता की हद

कोरोना के संकट की मार से वैसे तो सभी बेहाल हैं। लेकिन एक वर्ग ऐसा है जो सबसे ज्यादा आहत हुआ है। वह वर्ग है दैनिक दिहाड़ी मजदूर! उनके समक्ष पेट पालने की रोजाना की चुनौती होती है। चुनौती कुछ इस तरह की होती है कि दिन में कमाने की और रात में घर का चूल्हा जलाने की। लेकिन मौजूदा संकटकाल में कमोबेश ऐसी ही समस्या से मेहनतकश लोग गुजर भी रहे हैं क्योंकि लॉकडाउन ने उनके जीवन को भयंकर संकट में डाल दिया है। बात रोजी-रोटी पर आ गई है। काम धंधे सभी बंद हैं, करें तो करें क्या? मजदूर लोग लॉकडाउन के बाद से ही घरों में कैद हो गए हैं। हालांकि केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा उनके खाने-पीने और रोजमर्रा की जरूरतों आदि की उचित व्यवस्था की जा रही है। मगर, उस व्यवस्था में भी भ्रष्टाचारियों ने सेंध लगा दी है। मनरेगा रोजगार देश के मजदूरों को बड़ी राहत देता है। हाल ही में केंद्र सरकार ने पैसा भी भेजा है पर मजदूरों तक नहीं पहुंच रहा।

देश के ज्यादातर गांवों में दैनिक दिहाड़ी मजूदरों की एक बड़ी आबादी बसती है। गांव छोड़कर जो मजदूर शहरों में चले गए थे, पर वह लॉकडाउन के बाद आज अपने-अपने गांव पहुंच गए हैं। लॉकडाउन से उनको किसी तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े, इसके लिए केंद्र सरकार ने सभी मनरेगा मजदूरों को एडवांस और अतिरिक्त धनराशि दी है।

गौरतलब है, देश के ज्यादातर गांवों में दैनिक दिहाड़ी मजूदरों की एक बड़ी आबादी बसती है। बीते एक दशक से गांव के मजदूर सरकार की बहुआयामी योजना मनरेगा से जुड़े हैं। गांव छोड़कर जो मजदूर शहरों में चले गए थे, पर वह लॉकडाउन के बाद आज अपने-अपने गांव पहुंच गए हैं। लॉकडाउन से उनको किसी तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े, इसके लिए केंद्र सरकार ने सभी मनरेगा मजदूरों को एडवांस और अतिरिक्त धनराशि दी है। लेकिन, उस धनराशि पर ग्राम प्रधानों की गिद्ध नजर पड़ गई है। नजर ऐसी जिससे वह धन आसानी से मजदूरों तक नहीं पहुंचने पाए। प्रधानों का तिकड़म निश्चित रूप से केंद्र सरकार के मानवीय संकट के वक्त मजदूरों को उभारने के प्रयासों पर धक्का है। ग्राम प्रधान, रोजगार सेवकों, सचिवों और विकास खंड अधिकारियों ने पलीता लगा दिया है।

बड़ा दुख होता है जब संकट के समय में भी कुछ लोग अमानवीय हरकतों से बाज नहीं आ रहे। ऐसे वक्त में भी उनके दीमाग में सिर्फ लूट-खसोट पनपती है। मनरेगा में काम करने वाले मजदूरों की कमाई पर भी डाका डाल रहे हैं। ग्राम प्रधान और विकास खंड से जुड़े अधिकारी संयुक्त रूप से सरकारी धन का बंदरबांट कर रहे हैं। वैसे, मनरेगा में भ्रष्टाचार की ऐसी खबरें यदा-कदा सुनने को मिलती ही रहती हैं। उसी कड़ी में मनरेगा धन में सेंधमारी का एक और बड़ा मामला सामने आया हैं, जहां मनरेगा के मजदूरों की दिहाड़ी पर डाका डालने की कोशिश की गई। मजदूरों की खून-पसीने की कमाई को हड़प करने के प्रयास हुए। प्रयास किसी और नहीं, बल्कि गांव के प्रधान द्वारा किया गया। लेकिन, उनकी होशियारी उस वक्त धरी की धरी रह गई, जब रकम डकारने से पहले प्रधानपति को जिलाधिकारी ने जेल की हवा खिलवा दी। मजूदरों के पैसों के गड़बड़झाले की शिकायत पर जब डीएम के पास पहुंची, जांच की तो लाखों का हेरफेर पकड़ा। डीएम के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और जेल भेजा गया। मामला यूपी के जौनपुर का है।

गौरतलब है, मनरेगा के पैसों में भ्रष्टाचार का बड़ा तंत्र मिलकर काम करता है। प्रधान से लेकर जिले के कई आला अधिकारी लिप्त होते हैं। अगर सख्ती होती तो कोरोना संकट से उभरने के लिए सरकार द्वारा दी गई धनराशि पर ये लूटेर सेंध नहीं मार पाते। लॉकडाउन के दौरान केंद्र सरकार ने समूचे देश के गरीबों, वृद्धों, मनरेगा मजदूरों, असंगठित क्षेत्रों के मजदूरों और समाज के अन्य जरूरतमंदों को आर्थिक सहयोग प्रदान करने की घोषणा की है। सरकार का मकसद मात्र इतना है कि शायद उनके द्वारा दी जाने वाली धनरूपी सहयता से गरीबों का कुछ भला हो सके। कामधंधे ठप होने से दिहाड़ी-मजदूर ज्यादा परेशान न हों, इसलिए समय पर उनको मनरेगा की दिहाड़ी मिल सके। पर, उसमें भी लुटेरों का रैकेट सक्रिय हो गया।

भ्रष्टाचार का यह गठजोड़ प्रशासन की नाक के नीचे ग्राम पंचायतों के लिए विकास फंड और मनरेगा में आवंटित धनराशि में जमकर घाल-घपला करते हैं। ग्राम प्रधान अपना, अपनी पत्नी व नाबालिग पुत्र-पुत्रियों का गलत तरीके से जॉबकार्ड बनाकर बिना काम करे हजारों रुपए बैंक खातों में डालवाकर हड़पने जैसे अनगिनत शिकायत जिला प्रशासन और सरकारों को रोजाना मिल रही हैं। प्रधानों की बैंकों से साठगांठ होती। जब भी मजदूरों का पैसा बैंक में आता है तो प्रधान सभी मनरेगा मजदूरों की बैंक पास लेकर बैंक पहुंच जाते हैं। बैंक मैनेजर का भी चढ़ावा तय होता है इसलिए पैसे निकालने में परेशानी नहीं होती। यूपी के जौनपुर में पिछले सप्ताह की तो एक प्रधान कुछ इसी तरह से धरा गया। प्रधानपति मनरेगा मजदूर को बिना बताए उसका पैसा निकालने बैंक पहुंचा, पैसे निकाल भी चुका था, लेकिन धरा गया। डीएम डीके सिंह ने प्रधान को मनरेगा का पैसा गलत तरीके से निकालने के आरोप में बैंक से ही सीधे जेल भिजवा दिया। मनरेगा के भ्रष्टाचार में कोई एक प्रदेश नहीं, सभी प्रदेश संलिप्त हैं।

मनरेगा और ग्राम योजनाओं में भ्रष्टाचार किस कदर हावी है इसकी जानकारी सरकारों को भी होती है। समाधान के तौर पर कुछ कागजी कोशिशें भी हुई, नतीजा शून्य? ग्राम विकास योजनाओं में सरकार द्वारा भेजे जाने वाले पैसों में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कई प्रयास हुए, अंततः उतनी सफलता नहीं मिली, जिसकी उम्मीद थी। हालांकि योजनाओं का पैसे सीधे पात्रों के बैंक खातों में जाता है लेकिन उसमें भी ग्राम प्रधान दीमक की तरह लग जाते हैं। मनरेगा में मजदूरों को लगाना हो, आवास देना हो या फिर किसी पात्र को योजनाओं का लाभ देना हो उसमें भी कमीशन तय होता है। उदाहरण के तौर पर एक लाख रूपए की योजना में एक तिहाई धन का हिस्सा पात्र को प्रधान को देना होगा।

जबकि यह समय मानवीय संवेदना का है। हर कोई आज एक-दूसरे की मदद में जुटा है। अपने हिस्से का खाना दूसरों में बांट रहा है। यह समय संकट का है, मदद करने का है। ऐसे समय में कोई किसी के खाते में आए पैसे को हड़पने की सोच भी कैसे सकता है। यह भ्रष्टाचार नहीं है, अमानवीयता है। अगर इसे भ्रष्टाचार का नाम देंगे तो सरपंच और बैंक अधिकारी का कृत्य छोटा दिखेगा। कोरोना काल से पहले भी इस तरह के मामले सुनने को मिलते रहे हैं, पर यह समय ऐसा करने की इजाजत नहीं देता। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की तरफ से गरीबों के खाते में पहुंची रकम भले ही कम हो, मगर उनके जीवन जीने का आधार है।

कोरोना का संकट कुछ दिनों का नहीं है। आने वाले कुछ माह का काम इसी पैसे से चलना है, जिसे सरपंच और बैंक अधिकारी मिलकर गबन करने वाले थे। हमने पैसा कमाने की चाह में संवेदनाओं को जिस तरह से ताक पर रख दिया है, यह उसी की परिणति है। मगर अब नहीं। कोरोना के संकट काल में इस अमानवीयता की इजाजत कोई नहीं देता। सरकार को सरपंच और बैंक अधिकारी को सख्त सजा के दायरे में लाना होगा, क्योंकि यह पैसे का हेरफेर नहीं है, यह उन परिवारों के साथ धोखा है, जो इस समय सबसे मुश्किल जीवन जी रहे हैं। लिहाजा इस कृत्य की सजा भी बड़ी होनी चाहिए।

ट्विटर

भारत कोरोना के संक्रमण को काफी हद तक काबू कर चुका है और आने वाले दिनों में हम इसके प्रभाव से मुक्त हो जाएंगे। भारत की तारीफ दुनिया कर रही है।

डॉ. हर्षवर्द्धन, स्वास्थ्य मंत्री

भारत की मदद को भुलाया नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसे समय हमारी मदद की है, जब अमेरिका बड़े संकट से जूझ रहा है। हम इसे हमेशा याद रखेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति

सत्यार्थ

ज्ञान की सीमा

एक बहुत पहुंचे हुए विद्वान थे। उनका एक शिष्य भी बड़ा जिज्ञासु प्रवृत्ति का था। वह हमेशा अधिक से अधिक ज्ञान पाने हेतु प्रयत्नशील रहता था। एक दिन उसने गुरुजी से प्रश्न किया- क्या आपको समस्त दुनिया का ज्ञान है? गुरु बोले-नहीं वत्स, ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। वह तो अपार है। वैसे भी किसी एक व्यक्ति के लिए दुनिया का समस्त ज्ञान प्राप्त करना संभव ही नहीं है। लेकिन शिष्य हठ कर बैठा और बोला- गुरुजी, चाहे जो भी हो, मैं तो दुनिया का समस्त ज्ञान प्राप्त करना चाहता हूं। आप मुझ पर

अपनी कृपा कर दीजिए और मुझे दुनिया का समस्त ज्ञान-कोष दिखला दीजिए। गुरुजी ने उसे समझाने की बहुत कोशिश की कि पूरे विश्व का ज्ञान प्राप्त करना असंभव है, पर शिष्य तो अपनी बात पर ही अड़ा रहा। तब गुरुजी ने कुछ देर विचार किया और फिर उसे साथ लेकर संसार के ज्ञान-ग्रंथों का भंडार दिखाने चल दिए। शिष्य गुरुजी की कृपा से कृतज्ञ हो गया। वह उन ग्रंथों को पढ़ने में लग गया। बरसों बीत गए, पर लगातार पढ़ते रहने पर भी अनगिनत ग्रंथ शेष रह गए। उधर गुरुजी वृद्ध हो चले, पर शिष्य की ज्ञान-पिपासा शांत ही नहीं होती थी। एक दिन गुरुजी मृत्यु शैया पर जा पहुंचे। शिष्य ने उनका अंत निकट देख दुख भरे शब्दों में कहा-गुरुदेव, आप चले जाएंगे तो मुझे शेष ज्ञान-ग्रंथों का परिचय कौन देगा। तब गुरुजी ने ज्ञान भंडार का रहस्य बताते हुए कहा- वत्स, तुमने अब तक जो ज्ञान प्राप्त किया है, वह तो कुछ विशेष नहीं है। इन ग्रंथों से करोड़ों गुना ज्ञान तो इस संसार में यूं ही बिखरा पड़ा है। याद रखो, व्यावहारिक स्तर पर प्राप्त ज्ञान ही सर्वोपरि होता है। ज्ञान तो अपार है। उसे कितना भी प्राप्त करो, कम ही है। वस्तुतः ज्ञान की कोई सीमा नहीं है।

मध्यप्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों के लिए लांच किया टॉप पैरेंट एप

Top Parent App: मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार विद्यार्थियों को घर पर ही रोचक तरीके से पड़ाई जारी रखने में सहायक मोबाइल एप टॉप पैरंट लांच किया। इस एप से राज्य के सभी विद्यार्थी घर बैठे स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अध्ययन सामग्री प्राप्त कर सकेंगे और ऑनलाइन अध्ययन कर सकेंगे। इस मौके पर उन्होंने डिजी लैप -आपकी पड़ाई आपके घर के माध्यम से विद्यार्थियों को पहला वॉट्सएप मैसेज भेजा।

उन्होंने उत्कृष्ट विद्यालय, भोपाल के शिक्षक सुधाकर पाराशर तथा कागदीपुरा धार के दो स्कूली बच्चों और उनकी अभिभावक श्रीमती राधा रानी से मोबाइल के माध्यम से बात की। उन्होंने उन्हें जानकारी दी कि अब उन्हें मोबाइल पर ही शिक्षण सामग्री उपलब्ध हो जाएगी, जिससे आसानी से विद्यार्थी रोचक ढंग से अध्ययन कर सकेंगे। विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री को मामाजी संबोधन से धन्यवाद दिया। विद्यार्थियों ने श्री चौहान का अभिवादन करते हुए कहा कि उन्हें रेडियो प्रोग्राम के माध्यम से प्रतिदिन पूर्वान्ह 11.00 से 12.00 बजे तक कहानी-किस्सों के माध्यम से पाठ पढ़ने को मिल रहे हैं। अब मोबाइल एप एवं व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से भी पूरी अध्ययन सामग्री मिल जाएगी।

पहली से 12वीं कक्षा तक के छात्र उठा सकेंगे लाभ

मुख्यमंत्री ने बताया कि डिजी लैप -आपकी पड़ाई-आपके घर योजना के माध्यम से ऐसे विद्यार्थी जिनके पास एंड्राइड मोबाइल फोन है, कक्षा 01 से 12वीं तक के अंग्रेजी, हिंदी, गणित और विज्ञान आदि विषयों की अध्ययन सामग्री घर बैठे अपने मोबाइल फोन में व्हाट्सएप पर ही प्राप्त कर सकेंगे। इसमें कई रोचक वीडियो भी रहेंगे। इस कार्यक्रम में 25 हजार से ज्यादा शिक्षकों, विद्यार्थियों आदि को वॉट्सएप ग्रुप के माध्यम से जोड़ा गया है।

रोचक ढंग से दी जाएगी अध्ययन सामग्री-

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि अब उन्हें उनके मोबाइल पर ही सारी अध्ययन सामग्री प्राप्त हो रही है, वह भी अत्यंत रोचक तरीके से। इसलिए वे लॉकडाउन के दौरान घर से बिलकुल बाहर ना निकलें, घर में बैठ कर ही अध्ययन करें। इस अवसर पर प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग की श्रीमती रश्मि अरुण शमी, नीति आयोग की साख टीम के सदस्य रतन गुहा, संचालक जनसंपर्क ओ.पी. श्रीवास्तव तथा स्कूल शिक्षा विभाग के श्री अमिताभ अनुरागी आदि उपस्थित थे।

मिलेगी देश-दुनिया की जानकारी

उन्होंने बताया कि टॉप पैरंट एप के माध्यम से पालक अपने बच्चों को देश-दुनिया की महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवा पाएंगे। साथ ही, बच्चों की प्रगति की जानकारी निरंतर रिपोर्ट कार्ड के माध्यम से उन्हें एप पर मिलती रहेगी। इस एप के माध्यम से विद्यार्थी गणित की मूलभूत दक्षताओं को सीख पाएंगे। साथ ही अंग्रेजी भाषा पर भी उनकी पकड़ मजबूत होगी। यह एप निशुल्क है।

Aarogya Setu

एप से ऐसे पता करिए आपके पास किसी को कोरोना तो नहीं

आरोग्य एप ऐसे करता है काम-

पहले डाउनलोड कर एप को इंस्टाल करें।

ब्लूटूथ और लोकेशन को ऑन करें।

अपनी लोकेशन शेयरिंग को always पर सेट करें।

बाहर निकलते वक्त आप किसी कोरोना संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में तो नहीं आए और संक्रमित तो नहीं हो गए, इसके लिए आपको एक मोबाइल एप अलर्ट करेगा। भारत सरकार द्वारा कोरोना से मुकाबले को तैयार इस एप को अब तक देशभर में 30 लाख यूजर डाउनलोड कर चुके हैं। इस एप पर ना केवल अपना असेसमेंट कर सकते हैं बल्कि विशेष स्थिति में विभिन्न राज्यों के हेल्पलाइन नंबर भी प्राप्त कर सकते हैं। 11 भाषाओं में यह एप कोरोना से जुड़े हर सवाल का जवाब देगी।

ऐसे करें डाउनलोड

यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को इस एप का लिंक भेजते हुए छात्र-छात्राओं से डाउनलोड करना होगा। इसके लिए आप अपने मोबाइल में प्ले स्टोर पर जाकर aarogya Setu टाइप करना होगा। यह एप ब्लूटूथ और लोकेशन जेनरेड सोशल ग्राफ की मदद से आरोग्य सेतु कोरोना पॉजिटिव लोगों के साथ आपके संभवत संपर्क को ट्रैक करता है। एप इंस्टॉल करने के बाद ही आपको लॉगइन करने के लिए कहा जाएगा। इसमें आपको कुछ निजी सूचनाएं देकर लॉगइन करना होगा।

कोविड-19 के मरीजों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने के लिए ब्लूटूथ विकसित

वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस की चपेट में आए लोगों का पता लगाने के लिए एक नया ब्लूटूथ विकसित किया है, जो किसी व्यक्ति की निजता की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखते हुए इस महामारी के प्रसार का विश्लेषण करने में विशेषज्ञों की मदद करेगा। ब्रिटेन के यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के शोधकर्ताओं के अनुसार डीपी-3टी ट्रेसिंग सिस्टम में निजता उच्चतर मानकों को अपनाया गया है।

यूसीएल के माइकल वेआले ने कहा कि इस बात को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं कि कई देशों में सरकारें ब्लूटूथ ट्रेसिंग से लोगों की निगरानी कर सकती हैं। खासकर उन देशों में जहां कमजोर निजता कानून और मानवाधिकार को लेकर चिंताएं हैं।

फेसबुक बता रहा लॉकडाउन में कहां-कहां घूम रहे आप

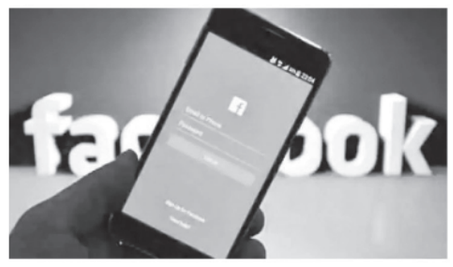

फेसबुक ने सोमवार को कहा कि वह उपयोगकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखते हुए उनकी आवाजाही तथा उनके रिश्तों के बारे में शोधकर्ताओं को जानकारी मुहैया करा रहा है, ताकि इस बात को समझा जा सके कि वायरस संक्रमण आगे कहां फैल सकता है। फेसबुक के प्रमुख अधिकारियों के एक्स जिन और लौरा मैकगोर्मन ने एक पोस्ट में लिखा कि सोशल नेटवर्किंग कंपनी जनसंख्या आवाजाही को लेकर अपने मैप को उन्नत कर रही है, जिसमें इनसाइट मूवमेंट टूल शामिल है। उन्होंने कहा कि इसमें लोगों की निजता को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा।

जिन और मैकगोर्मन ने कहा, अस्पताल सही संसाधन प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं, और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियां सही दिशानिर्देश चाह रही हैं। उन्होंने कहा, उन्हें इस बारे में बेहतर जानकारी चाहिए कि क्या निवारक उपाय काम कर रहे हैं और वायरस कैसे फैल सकता है। पिछले सप्ताह गूगल ने भी इस तरह के कदम की घोषणा की थी, जिसमें कहा गया था कि दुनिया भर में उपयोगकर्ताओं की आवाजाही से संबंधित डेटा प्रदान करेगा, जो सरकारों को कोरोना-19 महामारी को काबू में पाने के लिए लागू किए गए सामाजिक दूरी (Social Distancing) के उपायों के असर का पता लगाने में मदद करेगा।

बता दें स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या बढ़कर 4421 पहुंच गई है। वहीं, अभी तक 114 लोगों की मौत हुई है। वहीं अगर दुनिया की बात करें तो कोरोना वायरस से 13 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। जबकि 74000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, दो लाख 78 हजार 695 लोग स्वस्थ भी हुए हैं। इटली (16,523) और स्पेन (13,341) के बाद अमेरिका में भी मरने वालों की संख्या 10000 के पार हो गई है। वहीं, सबसे ज्यादा प्रभावित न्यूयॉर्क में शटडाउन 29 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है।

टिकटॉक, फेसबुक से गलत सूचना देने वाले संदेशों को हटाने का आदेश

ऐसा समझा जाता है कि इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने टिकटॉक, हेलो और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंच को उन शरारती और गलत सूचना देने वाले संदेशों को हटाने को कहा है जो लोगों को गुमराह करते हैं और सरकार के कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ जारी अभियान को कुंद करते हैं। साथ ही सोशल मीडिया कंपनियों से दुर्भावनापूर्ण सामग्री वाले संदेश डालने वालों के बारे में ब्योरा रखने को कहा गया है। उस ब्योरे को जरूरत पड़ने पर पुलिस एवं अन्य जांच एजेंसियों के साथ साझा किया जा सकता है।

मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया, इलेक्ट्रानिक्स ओर सूचना प्रोद्यौगिकी मंत्रालय ने कहा है कि बड़ी संख्या में फर्जी और गलत सूचना वाले ऑडियो और वीडियो संदेश सोशल मीडिया खासकर टिकटॉक, हेलो और फेसबुक पर डाले जा रहे हैं। उसने कहा कि इस प्रकार के के झूठे और गलत संदेशों से लोगों में घबराहट फैलने और अन्य नुकसान का खतरा है।

मंत्रालय ने एक अलग बयान में सोशल मीडिया कंपनियों से इस प्रकार की सामग्री हटाने के कहा है जिससे सरकार के कोरोना वायरस के खिलाफ अभियान पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसबीच भारतीय इंटरनेट और मोबाइल संघ (आईएएमएआई) ने मंगलवार को कहा कि सोशल मीडिया कंपनियां को उनके मंच से किसी भी सामग्री को हटाने के आदेश कानूनी तरीके से जारी होने चाहिए।

आईएएमएआई के सदस्यों में फेसबुक, गूगल, टिकटॉक, शेयरचैट जैसी कंपनियां शामिल हैं। आईएएमएआई ने एक बयान में कहा कि सोशल मीडिया कंपनियां खुद से कंटेंट या सामग्री का निर्माण नहीं करती हैं। इसलिए इनका उपयोग करके किसी भी तरह की गलत जानकारियां फैलाने की जिम्मेदारी उपयोक्ता की है।

कोविड-19 के प्रकोप से देश में सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में शामिल इंदौर में प्रशासन ने इस महामारी को लेकर फर्जी खबरों, भड़काऊ संदेशों और अफवाहों पर रोक लगाने के लिए सोशल मीडिया पर नकेल कस दी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जिलाधिकारी मनीष सिंह ने बाकायदा लिखित आदेश जारी कर जिले के सभी वॉट्सएप ग्रुपों के एडमिन को निर्देशित किया है कि फिलहाल वे अपने समूहों को केवल स्वयं की पोस्ट के लिए सीमित कर लें। सोशल मीडिया पर नजर रखने वाले लोगों का कहना है कि प्रशासन के इस आदेश के बाद जिले के हजारों वॉट्सऐप समूहों की सैटिंग इस तरह बदल दी गई है कि अब इस प्लेटफॉर्म पर ग्रुप एडमिन ही कोई पोस्ट डाल सकते हैं।

प्रशासन के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, कोविड-19 के प्रकोप से निपटने में लगे सरकारी अफसरों को सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों, भड़काऊ संदेशों और अफवाहों की बाढ़ के चलते कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उम्मीद है कि वॉट्सएप समूहों को लेकर जिलाधिकारी के आदेश के बाद इस माध्यम के जरिए गलत सूचनाओं के प्रसार पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। इस बीच, अपराध निरोधक शाखा के अतिरिक्त

प्रशासन के आदेश पर हजारों वाट्सएप ग्रुपों की सेटिंग बदली

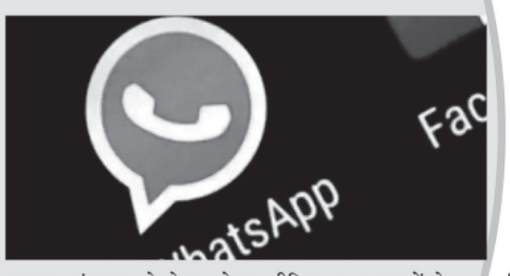

पुलिस अधीक्षक (एएसपी) राजेश दंडोतिया ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाहों से भरे भड़काऊ संदेश फैलाने के आरोप में शहर के दो थानों में भारतीय दंड विधान और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के संबद्ध प्रावधानों के तहत अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। अब तक इन मामलों में अलग-अलग वॉट्सएप समूहों के दो ग्रुप एडमिन समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के एक स्थानीय मरीज के संपर्क में आए लोगों को ढूंढने गए स्वास्थ्य कर्मियों के दल पर शहर के टाटपट्टी बाखल इलाके में एक अप्रैल को पथराव की बहुचर्चित घटना के पीछे भी सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों की भूमिका सामने आई थी। इस घटना में दो महिला डॉक्टरों के पैरों में चोटें आई थीं। दोनों महिला डॉक्टर कोरोना वायरस के खिलाफ अभियान चला रहे स्वास्थ्य विभाग के पांच सदस्यीय दल में शामिल थीं। अब तक मिली रिपोर्टों के मुताबिक इंदौर में इस महामारी से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़कर 235 पर पहुंच गई है। इनमें से 23 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है।

कोरोना से लड़ाई को पैसा मांग चूना लगा रहे साइबर ठग

साइबर ठगों ने अब ठगी करने के लिए कोरोना का सहारा लेना शुरू कर दिया है। लोगों को एप्लीकेशन, लिंक और क्यूआर कोड भेज कर कोरोना से लड़ने के लिए दान करने को प्रेरित किया जा रहा है। इनके चक्कर में फंस कर कुछ लोग अपने पैसे गवां भी चुके हैं। यहां तक कि पीएम केयर्स के नाम पर भी ठगी शुरू हो गई है।

कोरोना ने महामारी का रूप लिया तो इससे लड़ने के लिए लोगों ने दिल खोलकर दान करना शुरू कर दिया। लोगों की दरियादिली का साइबर ठग फायदा उठा रहे हैं। ठग लोगों को ईमेल और व्हाट्सएप करके ऐसे लिंक और कोड भेज रहे हैं जिस पर क्लिक करते ही खातों से पैसा उड़ जा रहा है। कुछ लोगों को रिमोट एक्सेस ट्रोजान एप डाउनलोड करने के लिए कहा जा रहा है। लोगों को एप में अपनी बैंक कार्ड डिटेल भरने को कहा जाता है। जो लोग झांसे में आकर कार्ड की डिटेल भर दे रहे हैं उन्हें बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह ऐसे एप हैं जिनके माध्यम से ठग कहीं भी बैठे बैठे दूसरे के कंप्यूटर या मोबाइल को संचालित कर सकते हैं।

पीएमकेयर्स एसबीआई पर ही भेजें पैसा

दानदाता सबसे अधिक पीएम केयर्स फंड में दान कर रहे हैं। बैंकों में जाकर कैश या चेक देने की जगह लोग यूपीआई का अधिक इस्तेमाल करते हैं। सरकार ने इसके लिए पीएमकेयर्सञ्जएसबीआइ नाम से यूपीआई आईडी जारी की है। मगर ठगों ने एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, यस बैंक, पीएनबी आदि नाम से भी आईडी बना ली। इन पर जो पैसा भेजा जा रहा है तो वह प्रधानमंत्री खाते में नहीं पहुंच रहा है। बल्कि ठगों को मिल रहा है। स्टेट बैंक में वरिष्ठ प्रबंधक आरके गौड़ ने बताया कि साइबर सिक्योरिटी नियामक ने लोगों को सचेत भी किया है कि वे सिर्फ पीएमकेयर्सञ्जएसबीआई पर ही यूपीआई के माध्यम से पैसा दान करें।

दैनिंग के नाम पर साफ कर रहे खाता

कुछ लोगों को कोरोना वायरस से लड़ने की ट्रेनिंग के भी मेल आ रहे हैं। इस ट्रेनिंग में भाग लेने के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरवाया जाता है। जब लोग ऑनलाइन फॉर्म को दिए गए लिंक पर क्लिक करते हैं तो वह एक अन्य वेबसाइट का पेज खुल जाता है। इस पर ही एक फार्म रहता है। इसको भरते ही साइबर ठग आपकी सारी सूचना को चुरा कर बैंक खाता साफ कर दे रहे हैं।

एफबी मैसेंजर से सबसे ज्यादा ठगी

ठगी के लिए लोग एफबी मैसेंजर का सबसे ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके लिए ठग पहले किसी व्यक्ति के फेसबुक अकाउंट को हैक करते हैं। फिर एफबी मैसेंजर के माध्यम से उसके दोस्तों को मैसेज कर पैसे मांग रहे हैं।

इन बातों का ध्यान रखें खाताधारक

- कोरोना से लड़ाई को फंड जुटाने के लिए सरकार या बैंक कोई लिंक या कोड नहीं भेज रहे हैं।
- यदि आपकी मेल अथवा व्हाट्सएप पर ऐसा कोई लिंक या कोड आता है तो उसको बिल्कुल भी क्लिक ना करें।
- इसी तरह से सरकार अथवा कोई भी बैंक आपको किसी एप्लीकेशन को डाउनलोड कर दान देने को नहीं कह रहा है।
- अपने सिस्टम व एंटी वायरस को समय समय पर अपडेट करते रहे।
- किसी भी संस्था को ऑनलाइन चंदा देने से पूर्व उसकी अच्छी तरह पड़ताल कर लें।
- किसी को भी अपने किसी बैंक, सोशल मीडिया अकाउंट या ईमेल अथवा अन्य किसी अकाउंट की जानकारी शेयर न करें।
- मोबाइल पर किसी से भी अपने बैंक खातों या एटीएम से जुड़ी जानकारी साझा नहीं करें।
- अगर फोन पर किसी को धोखे से पासवर्ड बता दें तो तुरंत हेल्पलाइन पर फोन कर कार्ड डी-एक्टीवेट करा दें।
- ऑनलाइन खातों और एटीएम-क्रेडिट कार्ड के पासवर्ड समय-समय पर बदलते रहें।
- बैंक खातों के ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के लिए एक अलग ई-मेल एकाउंट बनाएं।
- साइबर कैफे में नेट बैंकिंग भूल कर के भी नहीं करें।
- बैंक वेबसाइट का प्रयोग करते समय स्पेलिंग सही से चेक कर लें।

मत दें यह जानकारी

- क्रेडिट/डेबिट कार्ड नंबर
- कार्ड का सीवीवी नंबर
- कार्ड वेरिफिकेशन नंबर
- कार्ड एक्सपायर डेट
- पासवर्ड
- इंटरनेट बैंकिंग लॉगिन
- गोपनीय जानकारी

सरकार नहीं भेज रही कोई लिंक या कोड

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन साइबर क्राइम एंड साइबर लॉ के चेयरमैन अनुज अग्रवाल कहते हैं कि साइबर ठग हमेशा नए-नए टर्म और तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। इस समय कोरोना का सहारा लिया जा रहा है। एक बात भली-भांति समझ लें कि कोरोना को लेकर सरकार जो भी दान ले रही है, उसके लिए ना तो आपको कोई लिंक भेज रही है और ना ही किसी तरह के कोड को स्कैन करने के लिए कहा जा रहा है। यदि आप सतर्क रहेंगे तो कोई भी आपको नहीं ठग पाएगा।

चार राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों ने कोविड -19 के प्रसार को रोकने के लिए उत्तम अभियासों को किया सांझा

पंजाब सरकार 1 मिलियन लोगों की स्क्रीनिंग के लिए रैपिड टेस्टिंग मुहिम की शुरूआत करेगी – स्वास्थ्य मंत्री,पंजाब

कहा, पंजाब में पीपीई किटों के बड़े स्तर पर निर्माण के लिए तैयार की जा रही है रूप-रेखा

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पुडूचेरी के स्वास्थ्य मंत्रियों ने देर शाम वीडियो काफ्रेंरेंस के ज़रिये कोविड -19 के प्रसार को रोकने के लिए अपने-अपने राज्यों में अपनाए गए उत्तम अभियासों को सांझा किया। हरेक राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश ने अपनी रणनीति सामने रखी और कोविड के मामलों में विस्तार को देखते ट्रेसिंग और टेस्टिंग को बढ़ाने की ज़रूरत पर सहमति जतायी।

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री स. बलबीर सिंह सिद्धू ने दूसरे मंत्रियों को अवगत करवाया कि पंजाब ने ज़रूरी मशीनों की खरीद के साथ टेस्टिंग क्षमता को दस गुणा बड़ा दिया है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने 1मिलियन लोगों की स्क्रीनिंग करने के उद्देश्य से रैपिड टेस्टिंग मुहिम शुरू करने का फैसला लिया है।

इसको आगे बढ़ाते हुये पंजाब मंत्रीमंडल की तरफ से 10 लाख रैपिड टेस्टिंग किटें (आर.टी.के.) खरीदने की मंजूरी मिलने के उपरांत आई.सी.एम.आर. को 1लाख किटों का आर्डर दे दिया है। इस के अलावा पटियाला और अमृतसर के सरकारी मैडीकल कालेजों में वायरल रिर्सच डायगनोस्टिक लैबज़ (वी. आर. डी.एल) की टेस्टिंग क्षमता बढ़ा दी गई है। इसके अलावा भारत सरकार से जी.एम.सी. फरीदकोट, डी. एम. सी और सी.एम.सी. लुधियाना में टेस्टिंग के लिए मंजूरी माँगी गई है। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री ने बताया

कि लुधियाना में पीपीई किटें बनाने का काम किया जा रहा है। इसके एक बार चालू होने से न सिर्फ़ पंजाब अपनी जरूरत को पूरा कर सकेगा बल्कि अन्य राज्यों को सप्लाई करने के लिए भी ज़रूरी किटें बना लेगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंरेंस के दौरान, कुछ स्वास्थ्य मंत्रियों ने कोविड -19 मामलों में तेजी से वृद्धि की सूरत में हरेक जिला हैडक्वाटर में जांच सुविधा स्थापित करने की सलाह दी।

बलबीर सिंह सिद्धू ने कहा कि हालांकि भारत सरकार से जी.एम.सी. फरीदकोट, डी.एम.सी. और सी.एम.सी. लुधियाना में टेस्टिंग को मंजूरी मिलने से पंजाब इस हालात से निपटने की उम्मीद कर रहा है। सभी मंत्री सहबानों ने सहमति जतायी कि अब तक, इनफलूऐनज़ा लाइक इलनैस (आई एल आई) के मामलों या अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले या कोविड -19 के मरीज़ों के संपर्कों की जांच की जा रही है परन्तु देश के अलग -अलग हिस्सों में बिना लक्षणों वाले केस पॉजिटिव पाये जा रहे हैं, यह चिंताजनक है और जिसके लिए बेहतर तैयारी करना ज़रूरी है। वीडियो कॉन्फ्रेंरेंस में अन्यों के अलावा श्री मनीश तिवाड़ी, श्री शशी थरूर (दोनों सांसद) और पद्म भूषण श्री सैम पित्रोदा भी शामिल थे।

कोरोना की बीमारी से पीड़ित रहे सरपंच मोहन सिंह के संस्कार के मौके पर बलबीर सिंह सिद्धू और चरनजीत सिंह चन्नी पहुंचे

स्वास्थ्य मंत्री ने लॉकडाऊन के दौरान सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने की अपील की

चंडीगढ़/ब्यूरो

कोरोना वायरस की बीमारी से पीड़ित रहे मृतक के संस्कार सम्बन्धी लोगों के दिलों में पैदा हो रही गलत धारणाओं को ख़ारिज करते हुये आज स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू और तकनीकी शिक्षा और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री चरनजीत सिंह चन्नी जिला रोपड़ के गाँव चितामली में सरपंच मोहन सिंह के संस्कार के मौके पर पहुँचे। स्वास्थ्य मंत्री स. बलबीर सिंह सिद्धू ने कहा कि सरपंच मोहन सिंह एक समाज सेवक थे जो अक्सर इलाके के ज़रूरतमंदों की मदद करते थे। उन्होंने इस मौके पर पंजाब निवासियों को कोविड -19 की बीमारी से मृतक देह के संस्कार को लेकर न घबराने की अपील करते हुये कहा कि कोविड -19 पॉजिटिव मृतक के शरीर का संस्कार करने से कोई फ़ाल्तू ख़तरा पैदा नहीं होता और संस्कार की पूरी प्रक्रिया में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी विशेष हिदायतों की पालना की जाती है।

स्वास्थ्य बलबीर सिंह सिद्धू ने आगे बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार श्मशानघाट में कर्मचारियों की तरफ से देह के संस्कार से कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। यहाँ तक कि देह की राख से भी कोई ख़तरा पैदा नहीं होता और इसकी राख भी इकट्ठी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दु:ख वाली बात है कि पिछले दिनों कोरोना पीड़ित मृतकों के संस्कार को लेकर गाँव वासियों और पारिवारिक सदस्यों की तरफ से मना किया गया, जो अति निंदनीय है। स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों से अपील भी की कि लॉकडाऊन के दौरान सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना की जाये। उन्होंने कहा कि कैप्टन अमरिन्दर सिंह के नेतृत्व वाली सरकार की तरफ से जो भी फ़ैसले लिए जा रहे हैं वह आप सबके लिए स्वास्थ्यकर और कल्याण के लिए है और सभी को कोरोना के ख़ात्मे के लिए सरकार का आगे आकर साथ देना चाहिए।

न्यूज

लॉकडाउन में डिजिटल शिक्षा में पांच गुना से अधिक वृद्धि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन में शैक्षिक संस्थानों के बन्द होने कारण डिजिटल शिक्षा में पांच गुना वृद्धि हुई है और 50 प्रतिशत से अधिक छात्र अब इसी पर पूरी तरह निर्भर हो गए हैं। लॉकडाउन की घोषणा के बाद देश के कॉलेज एवं विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षक डिजिटल माध्यमों से अध्यापन में लगे हैं। डिजिटल पुस्तकालयों और स्वयं पोर्टल पर हिट्स पांच गुना बढ़ गए हैं। पहले राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय पर हर रोज 22 हजार के करीब हिट्स होते थे, अब एक दिन में एक लाख 60 हजार 804 हिट्स हो गए। अब तक लॉकडाउन में कुल 14 51 886 हिट्स हुए। इसी तरह स्वयं प्लेटफार्म पर पहले 50 हजार हिट्स होते थे जो अब बढ़कर दो लाख 50 हजार हो गये। इस प्लेटफार्म पर 26 लाख छात्र 574 कोर्स की पढ़ाई करते हैं। तेईस मॉर्च के बाद एक करोड़ 40 लाख छात्रों ने स्वयं का इस्तेमाल किया। डीटीएच के जरिये स्वयंप्रभा चैनल को छह लाख 80 हजार छात्रों ने देखा। लॉकडाउन में छात्रों ने यूट्यूब व्हाट्सएप स्काईप जूम गूगल हैंग आउट आदि का इस्तेमाल किया।

उत्तराखंड में तीन जमातियों के विरुद्ध हत्या का प्रयास का मामला दर्ज

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड में पुलिस प्रशासन की चेतावनी के बावजूद सामने आकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण नहीं कराने वाले तीन अन्य तबलीग जमातियों के विरुद्ध गुरुवार को पुलिस ने हत्या के प्रयास के दो मामले दर्ज किए हैं। राज्य के एडीजीपी, अपराध एवं कानून व्यवस्था, अशोक कुमार ने बताया कि प्रशासन और पुलिस के सामने प्रस्तुत न होने पर हरिद्वार में तीन लोगों पर हत्या के प्रयास के अन्तर्गत दो अभियोग पंजीकृत किये गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में कुल पांच व्यक्तियों पर हत्या के प्रयास के अन्तर्गत चार अभियोग पंजीकृत किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव हेतु क्रियान्वित पूर्णबंदी के उल्लघन पर आज प्रदेश में कुल 69 मामले दर्ज किए गए, जिसमें 257 लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अभी तक कुल 1155 मामले दर्ज किएगए हैं और 4692 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही अभी तक मोटरयान अधिनियम के अन्तर्गत कुल 13768 वाहनों के चालान और 3637 वाहन जब्त किये जा चुके हैं एवं 64.06 लाख रुपए जुर्माना वसूला गया है।

वकील पर सांप्रदायिक घृणा फैलाने के आरोप में मामला दर्ज

कैथल, (एजेंसी)। हरियाणा की कैथल पुलिस ने एक वकील के खिलाफ सोशल मीडिया में सांप्रदायिक घृणा फैलाने वाली पोस्ट डालने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सिड बंसल नामक वकील के खिलाफ यह मामला फेसबुक पोस्ट को लेकर दर्ज किया गया है। इसी तरह के एक मामला पेवडा गांव के लक्ष्य नामक युवक के खिलाफ दर्ज किया गया। इसके अलावा पुलिस ने जाखोली गांव में सुनिल, काला और दरबारा नामक तीन युवकों के लॉकडाऊन आदेश का उल्लंघन कर मोटर साइकल पर घूमने को लेकर उन्हें हिरासत में लिया व उनकी बाइक जब्त कर ली।

ट्रंप के ट्वीट के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने री ट्वीट करते हुए कहा

भारत-अमेरिका कोरोना पर मिलकर विजय प्राप्त करेंगे

हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा भेजने पर अमेरिका राष्ट्रपति ने जताया भारत का आभार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका वैश्विक महामारी कोरोना वायरस 'कोविड-19' पर मिलकर विजय प्राप्त करेंगे। श्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के प्रति आभार व्यक्त करने वाले ट्वीट के जवाब में रीट्वीट करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं। इस तरह के वक्त दोस्तों को और करीब लाते हैं। भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी अभी तक के सबसे मजबूत दौर में है। भारत कोरोना के खिलाफ मानवता की इस लड़ाई में हर संभव मदद करने को तैयार है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना वायरस 'कोविड-19' के इलाज में इस्तेमाल किए जाने वाले हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा के अमेरिका को भेजने की मंजूरी के लिए भारत के प्रति आभार प्रकट किया है। ट्रंप ने ट्वीट कर कहा, ''चुनौतीपूर्ण समय में दोस्तों के बीच करीबी सहयोग की जरूरत होती है।

हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन पर फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व तथा भारत और भारत के लोगों का धन्यवाद। इसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। भारत ने पूरी मानवता की मदद की है।'' श्री ट्रंप की ओर से दवा के लिए लगातार मांगी जा रही मदद के कुछ ही घंटे बाद भारत सरकार ने मंगलवार को हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा के निर्यात से आंशिक प्रतिबंध हटाने की घोषणा की थी। भारत ने मार्च में कोरोना वायरस के प्रकोप के मद्देनजर हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वाइन के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह दवा संभावित एंटी-वायरल एजेंट और अन्य जेनेरिक दवाओं के रूप में इस्तेमाल की जा सकती है।

मोदी ने युगांडा के राष्ट्रपति से की बात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। करीब-करीब सारी दुनिया के कोरोना महामारी के चपेट में आने के बाद विभिन्न देशों के शीर्ष नेताओं से बात कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी से टेलीफोन पर बात की। बातचीत के बाद प्रधानमंत्री ने ट्विट किया , कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न चुनौतियों के बीच आज राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी से बात की। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए युगांडा द्वारा वहां किए जा रहे उपायों में भारत हर संभव मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने इससे पहले आज ही कोरिया गणतंत्र के राष्ट्रपति मून जे इन से भी बात की थी। वह अमेरिका और ब्रिटेन सहित कई अन्य देशों के शीर्ष नेताओं से भी बात कर चुके हैं।

सात करोड़ किसानों के बैंक खातों में भेजे गए 14 हजार करोड़ रुपए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण के बीच देशभर में लॉकडाउन किया गया है। फसलों की कटाई और बोवनी के इस महत्वपूर्ण वक्त में लॉकडाउन से किसानों की मुश्किल बहुत बढ़ गई है। इस बीच केंद्र सरकार ने किसानों को कुछ राहत दी है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत सरकार ने अब तक देश के सात करोड़ किसानों के बैंक खाते में 14 हजार करोड़ की राशि जमा कर दी है। योजना के बाकी बचे लाभार्थियों के खातों में भी सरकार द्वारा राशि जमा करने की प्रक्रिया जारी है। बता दें कि इस योजना के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन कराने वाले सभी किसानों को सरकार द्वारा सालाना छह हजार रुपए की राशि सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर की जाती है। तीन किस्तों में यह पैसा जमा किया जाता है। सरकार की ओर से अप्रैल में 2000 रुपए की पहली किस्त किसानों के खाते में ट्रांसफर की है।

नौ करोड़ किसानों को मिलेगी राशि

कोरोना संकट के बीच पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन कराने वाले नौ करोड़ से ज्यादा किसानों के खाते में पहली किस्त की राशि जमा की जाना है। सरकार द्वारा अब दो करोड़ से ज्यादा बाकी बचे किसानों के खाते में राशि जमा करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

जरूरी है आधार वैरिफिकेशन

सरकार की इस योजना का लाभ लेने के लिए रजिस्ट्रेशन के बाद किसान का आधार वैरिफिकेशन होना जरूरी है। बता दें कि सरकार ने मार्च में ही कोरोना संकट से निपटने के लिए बड़े आर्थिक राहत पैकेज का ऐलान कर दिया था। गौरतलब है कि देश में लगभग 14.5 करोड़ किसान हैं लेकिन अब तक स्कीम के अंतर्गत सभी का वैरिफिकेशन और रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका है।

केंद्रीय मंत्री निशंक की बेटी ने खादी के मास्क बनाकर लोगों में बांटे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक की पुत्री आरुषि निशंक ने कोरोना वायरस 'कोविड-19' की वजह से लागू किए गए लॉकडाउन का सदुपयोग करते हुए घर पर ही खादी के मास्क बनाए और अपने कर्मचारियों में बांट दिए।

श्री निशंक ने प्रख्यात भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना, पर्यावरणविद्, फिल्म निर्माता और सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री आरुषि ने लॉकडाउन के दौरान किस तरह से वक़्त गुज़ार रही हैं, इसकी जानकारी ट्विटर पर साझा की। उन्होंने कहा, 'मुझे यह देखकर बहुत प्रसन्नता हुई कि मेरी बेटी आरुषि घर पर खादी के मास्क बनाकर अपने स्टाफ के कर्मचारियों को वितरित कर रही है और उनको कोरोना वायरस से बचने के लिए सजग भी कर रही है।' सुश्री आरुषि ने गंगा नदी के धरती पर आने की कहानी पर आधारित 'गंगा अवतरण' एवं सूफियाना शास्त्रीय कथक नृत्य 'सजदा' जैसी रचनाओं की कोरियोग्राफी की है। उन्हें 2017 में उत्तराखंड गौरव पुरस्कार और 2018 में उत्तराखंड गौरव सम्मान पुरस्कार भी मिला है। उन्होंने 2018 में अपनी पहली क्षेत्रीय फिल्म 'मेजर निराला' का निर्माण किया जो श्री'निशंक'द्वारा लिखे गए उपन्यास पर आधारित है।

पहली प्रो टाइप मानव निसंक्रामक सुरंग नालागढ़ के सिविल अस्पताल में शुरू

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में सोलन जिला के नालागढ़ सिविल अस्पताल में प्रयोगात्मक आधार पर प्रो टाइप मानव निसंक्रामक सुरंग (हयुमन डिस्इन्फैक्टैंट टनल) शुरू हो गई है जो मूल रूप से कोरोना वायरस से बचाव एवं उपचार के कार्य में जुटे चिकित्सकों, स्टाफ नर्सों एवं पैरा मेडिकल कर्मियों को सुरक्षित रखेगी ।

ग्रामीण विकास विभाग के निदेशक ललित जैन ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि प्रो टाईप मानव निसंक्रामक सुरंग प्रदेश की प्रथम ऐसी सुंरग है जो चिकित्सकों, स्टाफ नर्सों एवं पैरा मेडिकल कर्मियों को कोरोना वायरस संक्रमण से सुरक्षित रखेगी। इस सुरंग में से आने-जाने पर स्वास्थ अमला स्वतः ही कीटाणु मुक्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रयोगात्मक आधार पर स्थापित इस प्रो टाईप सुरंग की कार्यप्रणाली को चिकित्सकों द्वारा परखा भी जाएगा। यह प्रयोगात्मक प्रो टाइप उन व्यक्तियों के लिए एक बेहतर सुरक्षा कवच का कार्य करेगा जो उपचार के दौरान कोरोना वायरस संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आते हैं। उपमण्डलाधिकारी नालागढ़ प्रशान्त देष्टा ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग का यह प्रयोग कोराना वायरस के विरुद्ध लड़ाई में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा और इसकी सहायता से बचाव के कार्य में जुटे स्वास्थ्य कर्मियों को संक्रमण से बचाया जा सकेगा।

चौधरी ने विधायक निधि से जारी किए दो करोड़

बाड़मेर, (एजेंसी)। राजस्थान में बाड़मेर जिले के गुड़ामालानी विधानसभा के विधायक पूर्व राजस्व मंत्री हेमाराम चौधरी ने विधायक निधि से दो करोड़ रुपए लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों की मदद के लिए जारी किए हैं। श्री चौधरी ने आज बताया की गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र के समस्त 115 ग्राम पंचायतों में गरीब, मजदूर और जरूरतमंद लोगों के भोजन की व्यवस्था के लिए विधायक निधि से दो करोड़ की अभिशंषा का पत्र मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सौंप दिया गया है। दो करोड़ रुपए की सहायता करने वाले हेमाराम चौधरी राजस्थान के इकलौते विधायक हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रोटरी क्लब ऑफ इंडिया की बैठक में साझा किए अपने विचार

आत्म-अनुशासित जीवनशैली बनी न्यू इंडिया की पहचान

कोरोना के खिलाफ इस युद्ध में, हमें लड़ना होगा और हर हाल में जीतना भी होगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कोरोना वायरस'कोविड-19' महामारी के खिलाफ लड़ाई में देश के 130 करोड़ नागरिकों के जीवन का आत्म-अनुशासित तरीका न्यू इंडिया की पहचान बनकर उभरा है।

श्री बिरला ने गुरुवार को यहां राजधानी में अपने निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोटरी क्लब ऑफ इंडिया की एक बैठक में अपने विचार साझा किए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि अभी दुनिया कोविड-19 के रूप में अपनी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक का सामना कर रही है। हम सभी भारत में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घातक बीमारी के प्रसार को रोकने के संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है जिसने देश में कोविड-19 के प्रकोप को सफलतापूर्वक रोकने में मदद की है। श्री बिरला ने आगाह किया कि कोविड- 19 के खिलाफ लड़ाई एक लंबी प्रक्रिया है और इस बीमारी को

मिटाने के लिए हम सभी को दृढ़ता से कार्य करना होगा। कोविड-19 के खिलाफ इस युद्ध में, हमें लड़ना होगा और हर हाल में जीतना भी होगा। कोविड-19 से संघर्ष में लोगों की भूमिका का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह प्रशंसनीय है कि बहुत बड़ी आबादी होने के बावजूद, सभी भारतीय अनुशासित तरीके से सावधानी और सरकार और स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा जारी किए गए सभी दिशानिर्देशों एवं उपायों का पालन कर रहे हैं। इस गति को बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जीवन का आत्म-अनुशासित तरीका न्यू इंडिया की पहचान बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि हजारों डॉक्टरों, नर्सों, स्वच्छता कर्मचारियों, पुलिस और सुरक्षा कर्मियों को, जो इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे हैं। इन कोरोना योद्धाओं को हमारी मदद और समर्थन की आवश्यकता है और हमें प्रयास करना चाहिए कि उन्हें पर्याप्त मात्रा में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण जैसे मास्क और सैनिटाइज़र प्रदान किये जाएं। उन्होंने कहा, ''मैंने कोविड -19 को हराने के लिए हमारे लोगों में व्यापक उत्साह और संकल्प देखा है और वे निस्संदेह जीतेंगे।

रोटरी क्लब इस महत्वपूर्ण समय में जनसेवा के कार्यों में हाथ बंटाए

श्री बिरला ने भारत में जनसेवा के एक सौ साल पूरे करने के लिए रोटरी क्लब की सराहना की और यह रेखांकित किया कि रोटरी क्लब दुनिया भर में दो सौ से अधिक देशों में मानवता की सेवा में काम कर रहा है और हजारों रोटेरियन परिवारों, समुदायों और समाज की सराहनीय सेवा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रोटेरियन अपने स्वयं के व्यावसायिक व्यवसायों में लगे हुए हैं, फिर भी वे समाज के लिए स्वेच्छा से सेवा करते हैं। उन्होंने रोटरी क्लब के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि जब भी कोई रोटेरियन संकल्प लेता है, वे भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में इसका अनुसरण करते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि रोटरी क्लब जैसे संगठन इस महत्वपूर्ण समय में जनसेवा के अहम कार्य कर सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे समय में गरीबों और निराश्रितों को हमारी देखभाल और सहायता की आवश्यकता है और हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी भूखा न रहे।

बिहार में संविदा स्वास्थ्यकर्मियों को भी मिले प्रोत्साहन राशि : तेजस्वी

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने राज्य सरकार से कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए मनोयोग से संघर्षरत संविदा आधारित स्वास्थ्यकर्मियों को भी प्रोत्साहन राशि दिए जाने की गुरुवार को मांग की।

श्री यादव ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ की मांग का समर्थन करते हुए यहां कहा कि कोरोना संक्रमण के विरुद्ध नियमित स्वास्थकर्मियों के साथ संविदा पर नियुक्त हजारों स्वास्थकर्मी भी संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें पूरा विश्वास है कि कोरोना पर जीत अवश्य मिलेगी। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार से मांग की है कि जिस तरह कोरोना के विरुद्ध मनोयोग से लड़ाई करने वाले नियमित स्वास्थ्यकर्मियों को सरकार ने प्रोत्साहन राशि दिए जाने की बात कही है उसी तरह संविदा पर नियुक्त स्वास्थकर्मियों को भी प्रोत्साहन राशि दी जाए। उन्होंने राज्य में अधिक से अधिक कोरोना जांच केंद्र स्थापित करने की मांग करते हुए कहा कि पहले कम से कम हर प्रमंडल और फिर ज़िला में जांच केंद्र स्थापित किए जाएं। गौरतलब है कि बिहार सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के 1637 और मुख्यधारा में कार्यरत 1384 आयुष चिकित्सकों के मानदेय में बढ़ोतरी कर दी है। साथ ही इसके लिए 75 करोड़ 41 लाख रुपए आवंटित भी कर दी है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.